

(d) what is construction position of flats under the said scheme category-wise and locality-wise as on 30th April, 1990 ;

(e) whether some more flats under the scheme are to be allotted during the current as well as next year ; and

(f) if so, give the details thereof category-wise and locality-wise and if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN) : (a) Yes, Sir.

(b) to (f) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Allotment of plots in Rohini

1179. SHRI SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state ;

(a) whether DDA had invited applications for allotment of residential plots in Rohini in 1981 ;

(b) if so, the details of plots allotted during the last three years category-wise as on 30-4-90 and balance position category-wise ;

(c) whether some more plots are under development category wise ;

(d) if so, the details thereof, category wise and Sectorwise ;

(e) whether some more plots are to be allotted during the current as well as the next year ; and

(f) if so, the details category-wise and sector-wise and if not, the detailed reasons therefor ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN) : (a) Yes, Sir.

(b) Plots allotted :

EWS / JANTA	LIG	MIG	Total
2173	4223	3595	9991

Balance Registrants :

EWS	LIG	MIG	Total
5803	23473	16580	45856

(c) and (d) Break up of the plots under development is as under :—

EWS	LIG	MIG	Total
1100	1760	2436	5296

Sector-wise details of these plots are not available.

(e) and (f) Allotment is done as developed plots become available.

कम्प्यूटर द्वारा आरक्षण

1180. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक किन-किन स्थानों पर कम्प्यूटर द्वारा आरक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है ;

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप आरक्षण प्रक्रिया सरल हो गई है और आरक्षण पर पड़ने वाला दबाव एवं व्याप्त भ्रष्टाचार कम हुआ है ; और

(ग) उन अन्य स्थानों के नाम क्या हैं, जहाँ इस वर्ष के दौरान यह सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अजय सिंह) : (क) कम्प्यूटरीय आरक्षण प्रणाली अभी तक नौ शहरों अर्थात् दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, सिकन्दराबाद, अहमदाबाद, बेंगलूर, भोपाल और लखनऊ में शुरू की गयी है ;

(ख) कम्प्यूटरीकरण ने आरक्षण प्रणाली को सरल बना दिया है। अब इन नौ शहरों में स किसी भी शहर में किसी भी गाड़ी के लिए और किसी भी श्रेणी में किसी भी आरक्षण काउंटर से आरक्षण प्राप्त किया जा सकता है। इसने सेवा अवधि और लंबी लाइनों को कम कर दिया है और इसने कदाचार की गुंजाइश को भी कम किया है।

(ग) 1990-91 के दौरान, इस सुविधा का नौ और नगरों पुणे, गुवाहाटी, जयपुर, पटना, गोरखपुर, तिरुवनन्तपुरम, जम्मू-तवी, भुवनेश्वर और कटक में विस्तार करने का प्रस्ताव है।